Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

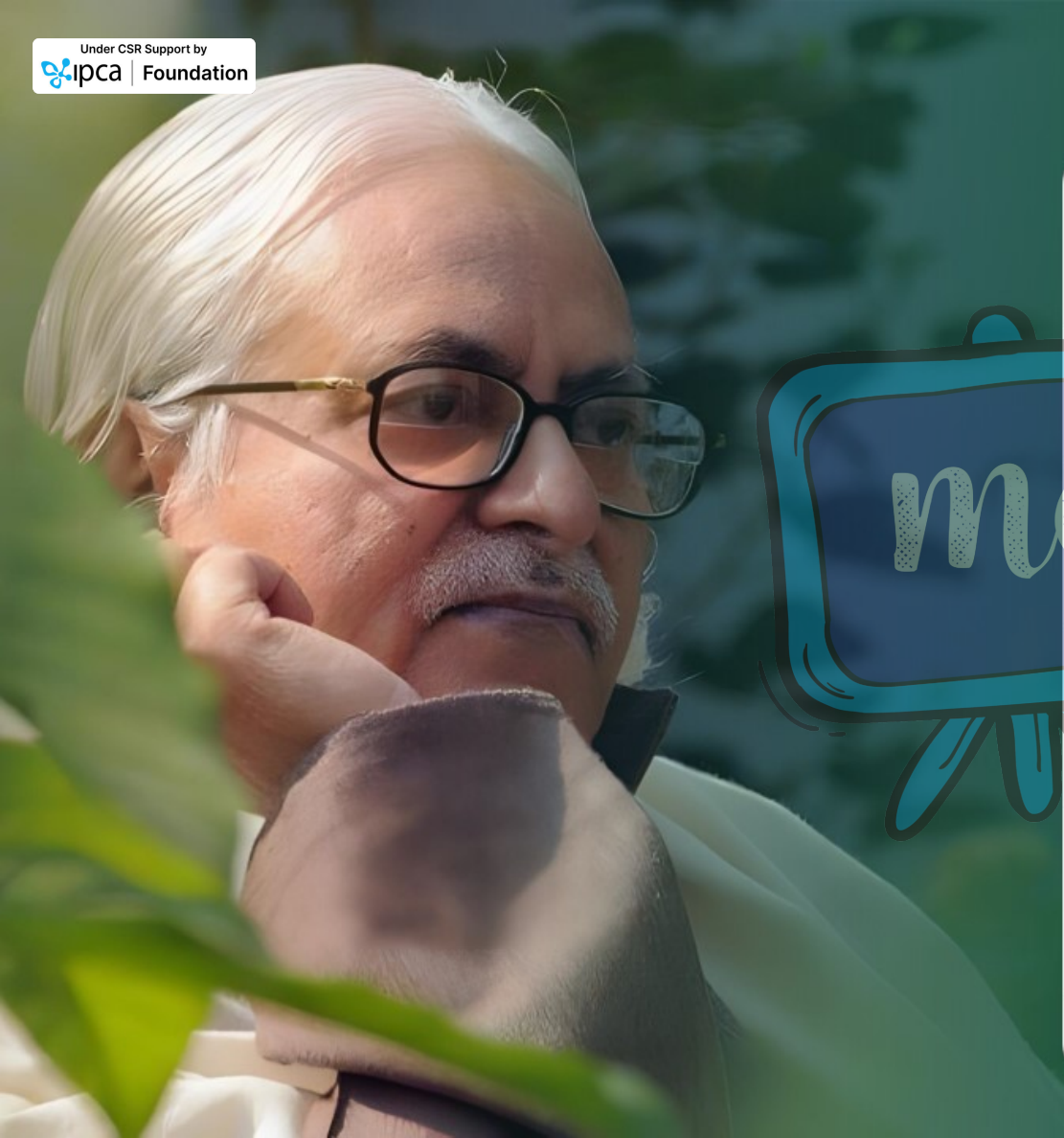

कक्षा – 9

हिन्दी

क्षितिज (गद्य खंड)

अध्याय-4 : साँवले सपनों की याद (जाबिर हुसैन)

भाग – 2

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

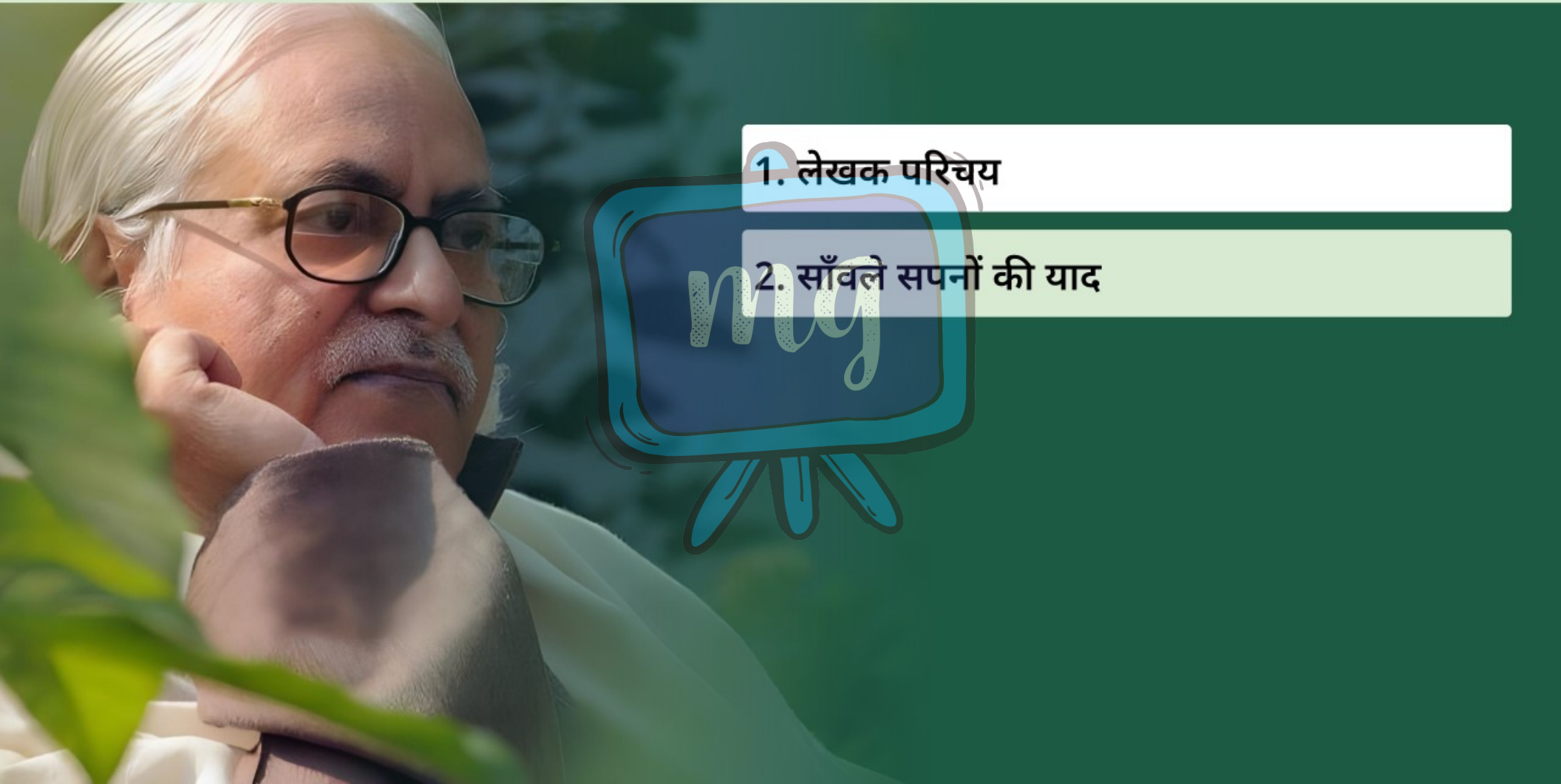

1. लेखक परिचय
2. साँवले सपनों की याद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मिथकों की दुनिया में इस सवाल का जवाब तलाश करने से पहले एक नज़र कमज़ोर काया वाले उस व्यक्ति पर डाली जाए जिसे हम सालिम अली के नाम से जानते हैं। उम्र को शती तक पहुँचने में थोड़े ही दिन तो बच रहे थे।

शती – सौ वर्ष का समय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संभव है, लंबी यात्राओं की थकान ने उनके शरीर को कमज़ोर कर दिया हो, और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी उनकी मौत का कारण बनी हो। लेकिन अंतिम समय तक मौत उनकी आँखों से वह रोशनी छीनने में सफल नहीं हुई जो पक्षियों की तलाश और उनकी हिफ़ाज़त के प्रति समर्पित थी। सालिम अली की आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही तो उतरी थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उन जैसा 'बर्ड वाचर' शायद ही कोई हुआ हो। लेकिन एकांत क्षणों में सालिम अली बिना दूरबीन भी देखे गए हैं। दूर क्षितिज तक फैली ज़मीन और झुके आसमान को छूने वाली उनकी नज़रों में कुछ-कुछ वैसा ही जादू था, जो प्रकृति को अपने घेरे में बाँध लेता है। सालिम अली उन लोगों में थे जो प्रकृति के प्रभाव में आने की बजाए प्रकृति को अपने प्रभाव में लाने के कायल होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उनके लिए प्रकृति में हर तरफ़ एक हँसती-खेलती रहस्य भरी दुनिया पसरी थी।

यह दुनिया उन्होंने बड़ी मेहनत से अपने लिए गढ़ी थी। इसके गढ़ने में उनकी जीवन-साथी तहमीना ने काफ़ी मदद पहुँचाई थी। तहमीना स्कूल के दिनों में उनकी सहपाठी रही थीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अपने लंबे रोमांचकारी जीवन में ढेर सारे अनुभवों के मालिक सालिम अली एक दिन केरल की 'साइलेंट वैली' को रेगिस्तानी हवा के झोंकों से बचाने का अनुरोध लेकर चौधरी चरण सिंह से मिले थे। वे प्रधानमंत्री थे। चौधरी साहब गाँव की मिट्टी पर पड़ने वाली पानी की पहली बूँद का असर जानने वाले नेता थे। पर्यावरण के संभावित खतरों का जो चित्र सालिम अली ने उनके सामने रखा, उसने उनकी आँखें नम कर दी थीं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



आज सालिम अली नहीं हैं। चौधरी साहब भी नहीं हैं। कौन बचा है, जो अब सोंधी माटी पर उगी फसलों के बीच एक नए भारत की नींव रखने का संकल्प लेगा?

सोंधी – सुगंधित, मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली गंध

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कौन बचा है जो अब हिमालय और लद्दाख की बरफ़ीली ज़मीनों पर जीने वाले पक्षियों की वकालत करेगा? सालिम अली ने अपनी आत्मकथा का नाम रखा था 'फॉल ऑफ ए स्पैरो' (Fall of a Sparrow)।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मुझे याद आ गया, डी एच लॉरेंस की मौत के बाद लोगों ने उनकी पत्नी फ्रीडा लॉरेंस से अनुरोध किया कि वह अपने पति के बारे में कुछ लिखे। फ्रीडा चाहती तो ढेर सारी बातें लॉरेंस के बारे में लिख सकती थी। लेकिन उसने कहा-मेरे लिए लॉरेंस के बारे में कुछ लिखना असंभव-सा है। मुझे महसूस होता है, मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मुझसे भी ज़्यादा जानती है। वो सचमुच इतना खुला-खुला और सादा-दिल आदमी था। मुमकिन है, लॉरेंस मेरी रगों में, मेरी हड्डियों में समाया हो। लेकिन मेरे लिए कितना कठिन है, उसके बारे में अपने अनुभवों को शब्दों का जामा पहनाना। मुझे यकीन है, मेरी छत पर बैठी गौरैया उसके बारे में, और हम दोनों ही के बारे में, मुझसे ज़्यादा जानकारी रखती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा एक पहेली बने रहेंगे। बचपन के दिनों में, उनकी एयरगन से घायल होकर गिरने वाली, नीले कंठ की वह गौरैया सारी जिंदगी उन्हें खोज के नए-नए रास्तों की तरफ़ ले जाती रही। जिंदगी की ऊँचाइयों में उनका विश्वास एक क्षण के लिए भी डिगा नहीं। वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गये थे।

नैसर्गिक – सहज, स्वाभाविक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे। जो लोग उनके भ्रमणशील स्वभाव और उनकी यायावरी से परिचित हैं, उन्हें महसूस होता है कि वो आज भी पक्षियों के सुराग में ही निकले हैं, और बस अभी गले में लंबी दूरबीन लटकाए अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ लौट आएँगे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जब तक वो नहीं लौटते, क्या उन्हें गया हुआ मान लिया जाए!

मेरी आँखें नम हैं, सालिम अली, तुम लौटोगे ना!



सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 सालिम अली प्रकृति के साथ कैसा संबंध रखते थे?

अ वे प्रकृति से प्रभावित रहते थे।

ब वे प्रकृति से प्रेम करते थे।

स वे प्रकृति का संरक्षण करते थे।

द वे प्रकृति को प्रभावित करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 सालिम अली प्रकृति में क्या देखते थे?

अ एक हँसती-खेलती प्रकृति

ब रहस्य-रोमांच-भरी जिंदगी

स पशुओं का आपसी स्नेह

द पक्षियों का हँसता-खेलता अनजाना संसार

मूल्यांकन (Assessment)



3 तहमीना कौन थी?

अ सालिम अली की सहपाठी

ब सालिम अली की पार्टनर

स सालिम अली की सहयोगी

द सालिम अली की पत्नी

मूल्यांकन (Assessment)



4 फ्रीडा लारेंस ने लारेंस के बारे में कुछ लिखने से इंकार क्यों कर दिया?

अ वह इसे व्यर्थ मानती थी।

ब वह चाहती थी कि उनकी गौरैया लिखे।

स वह कुछ भी लिखने में स्वयं को असमर्थ समझती थी।

द उसे कुछ पता नहीं था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 गौरैया के अधिक जानने से क्या तात्पर्य है-

अ लारेंस गौरैया से बहुत प्रेम करते थे।

ब गौरैया लारेंस के बहुत अधिक निकट थी।

स लारेंस और गौरैया की आपस में बहुत बनती थी।

द गौरैया बहुत समझदार थी।

मूल्यांकन (Assessment)



4 पक्षियों की मधुर आवाज़ से आदमी रोमांचित क्यों नहीं होता?

अ पक्षियों की दुनिया को न जानने के कारण

ब पक्षियों से संबंध न होने के कारण

स पक्षियों की भाषा न समझ पाने के कारण

द अपनी जड़ता के कारण